



न्यायालय

सहायक कलक्टर/उपखण्ड अधिकारी थानागाजी-अलवर

(पीठासीन अधिकारी -केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

प्रार्थना पत्र संख्या:- 2021 / 0248

दर्ज तिथि:- 28.06.2021

1. जम्बूरी पत्नी सुखपाल उम्र 75 साल जाति मीना
 2. ज्याना देवी पत्नी सोहनपाल उम्र 70 साल जाति मीना
 3. लक्ष्मा पत्नी जगदीश उम्र 55 साल जाति मीना
 4. मन्नी पत्नी रामनारायण उम्र 60 साल जाति मीना
 5. रामराज पुत्र गोर्धन उम्र 30 साल जाति मीना
 6. मांगेलाल पुत्र गोर्धन उम्र 27 साल जाति मीना
- समस्त निवासियान ग्राम कालेड़ तहसील थानागाजी जिला अलवर राजस्थान

.... प्रार्थीगण

बनाम्

1. ख्यालीराम पुत्र श्रवण जाति मीना
2. ग्यारसीलाल पुत्र श्रवण जाति मीना
3. प्रकाश पुत्र श्रवण जाति मीना
4. प्रहलाद पुत्र श्रवण जाति मीना
5. बोदन पुत्र श्रवण जाति मीना
6. सावंलाराम पुत्र श्रवण जाति मीना
7. हरदेव पुत्र श्रवण जाति मीना
8. गणेशी पुत्री श्रवण जाति मीना
9. पार्वती पुत्री श्रवण जाति मीना
10. भवंरी पुत्री श्रवण जाति मीना
11. लाली पुत्री श्रवण जाति मीना
12. गोरधन पुत्र छोटा जाति मीना
13. जगदीश पुत्र छोटा जाति मीना
14. नारायण पुत्र छोटा जाति मीना
15. सुखपाल पुत्र छोटा जाति मीना
16. बाबूलाल पुत्र सोनाराम जाति मीना
17. कैलाश पुत्र सोनाराम जाति मीना
18. नरसी पुत्र सोनाराम जाति मीना
19. पप्पू पुत्र सोनाराम जाति मीना
20. सैदूराम पुत्र रामपाल जाति मीना
21. सीताराम पुत्र रामपाल जाति मीना
22. हरीनारायण पुत्र रामपाल जाति मीना
23. सन्ती पुत्री रामपाल जाति मीना
24. मूली पुत्री रामपाल जाति मीना
25. झूमा पत्नी रामपाल जाति मीना
26. दयाराम पुत्र कानाराम पौत्र लक्ष्मण जाति मीना
27. गिरधारी पुत्र लक्ष्मण जाति मीना
28. मूल्या पुत्र लक्ष्मण जाति मीना



समस्त बालिग निवासीयान ग्राम कालेड़ तहसील थानागाजी जिला अलवर जिला अलवर
राजस्थान

.....अप्रार्थी

उपस्थित
प्रार्थी अधिवक्ता-श्री रामकरण चौपडा।
अप्रार्थी अधिवक्ता:- श्री गोपाल शर्मा

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 251-क
राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955

:-निर्णय:-

दिनांक 15.05.2023

1. आज यह पत्रावली वास्ते निर्णय पेश हुई। प्रकरण का सुक्ष्म वृत्तान्त इस प्रकार से है कि प्रार्थी द्वारा राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-‘क’ के अन्तर्गत एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि प्रार्थीगण के कब्जे काश्त व हाल खातेदारी खसरा संख्या 315 रकबा 1.35 है0 किस्म बारानी द्वितीय वाके ग्राम कालेड़ तहसील थानागाजी जिला अलवर में अवस्थित है। प्रार्थी की खातेदारी आराजी के समीप स्थित खसरा संख्या 317 रकबा 2.43 है0 किस्म चाही द्वितीय से होकर प्रार्थी पूर्व से ही अपनी खातेदारी आराजी तक आता-जाता रहा है। इसके अतिरिक्त प्रार्थी के पास अन्य कोई रास्ता उपलब्ध नहीं है। अन्त में प्रार्थना पत्र प्रार्थी स्वीकार किया जाकर खसरा संख्या 317 रकबा 2.43 है0 किस्म चाही द्वितीय वाके ग्राम कालेड़ में से होकर मुख्य सड़क से पश्चिम से पूर्व की ओर मुताबिक नजरी नक्शा प्रार्थी की आराजी में आने जाने हेतु रास्ता करीब 12 फुट चौड़ाई एवं पूर्व से पश्चिम लम्बाई से प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक लम्बाई का नवीन रास्ता राजस्व रिकार्ड में दर्ज किये जाने का निवेदन किया।
2. प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थीगण को तलब किया गया। अप्रार्थी संख्या 01 लगायत 15 की ओर से अधिवक्ता श्री गोपाल शर्मा ने वकालतनामा पेश किया। शेष अप्रार्थी 16 लगायत 28 बावजूद तामील अनुपस्थित, रहने के कारण उनकी ओर से एकतरफा कार्यवाही अमल में लायी गयी। अप्रार्थी 01 लगायत 07 व 12 लगायत 14 की ओर से जवाब प्रस्तुत किया जो शामिल मिसल है। अप्रार्थी संख्या 08 लगायत 11 व 15 की ओर से जवाब पेश नहीं हुआ। अतः उनकी ओर जवाब प्रस्तुत नहीं करने से जवाब बंद कर एकतरफा कार्यवाही अमल में लायी गयी। अप्रार्थी अधिवक्ता ने जवाब प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया कि यदि खसरा संख्या 317 रकबा 2.43 है0 किस्म चाही द्वितीय वाके ग्राम कालेड़ में से रास्ता दिया जाता है तो कोई उज्र ऐतराज नहीं है। प्रकरण में तहसीलदार थानागाजी से राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम 1955 के नियम 68 लगायत 70 के अनुसार मौका जाँच रिपोर्ट तलब की गई। तहसीलदार थानागाजी के द्वारा अपने पत्र क्रमांक/भू0अ0/2023/989 दिनांक 27.03.2023 के द्वारा मौका रिपोर्ट प्रेषित की गई।
3. विद्वान अभिभाषक प्रार्थी ने दौराने-ए-जिरह प्रार्थना-पत्र में अंकित तथ्यों को मात्र दोहराते हुये अप्रार्थी की खातेदारी आराजी हाल खसरा संख्या खसरा संख्या 317 रकबा 2.43 है0 किस्म चाही द्वितीय वाके ग्राम कालेड़ में से होकर मुख्य सड़क से पश्चिम से पूर्व की ओर मुताबिक नजरी नक्शा प्रार्थी की आराजी में आने जाने हेतु रास्ता करीब 12 फुट चौड़ाई एवं पूर्व से पश्चिम लम्बाई से प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक लम्बाई का नवीन रास्ता राजस्व रिकार्ड में दर्ज किये जाने का निवेदन किया। विद्वान अभिभाषक अप्रार्थी ने दौराने-ए-जिरह जवाब में अंकित तथ्यों को मात्र दोहराते हुये प्रार्थना पत्र प्रार्थी स्वीकार करने में अप्रार्थीगण को कोई उज्र ऐतराज प्रस्तुत नहीं किया।

4. प्रकरण में प्रार्थना पत्र के साथ अप्रार्थी तहसीलदार की मौका-रिपोर्ट का अवलोकन किया गया। बहस पर मनन किया गया। प्रकरण में तथ्यों का गहन विश्लेषण से पूर्व राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-'क' का उद्धरण यहाँ प्रतीत होता है-

धारा 251-क- अन्य खातेदार की जोत में से होकर भूमिगत पाइपलाइन बिछाना या नया मार्ग खोलना या विद्यमान मार्ग का विस्तार करना-(1) जहाँ

(क) कोई अभिधारी, अपनी जोत की सिंचाई के प्रयोजन के लिए किसी अन्य खातेदार की जोत में से होकर भूमिगत पाइपलाइन बिछाना चाहता है या

(ख) कोई अभिधारी या अभिधारियों का कोई समूह अपनी जोत या, यथास्थिति, उनकी जोतों तक पहुँचने के लिए अन्य खातेदार की जोत में से एक नया मार्ग बनाना चाहता है, या किसी विद्यमान मार्ग को विस्तारित या चौड़ा करना चाहता है-

और मामला पारस्परिक सहमति से तय नहीं होता है तो ऐसा अभिधारी या, यथास्थिति, ऐसा अभिधारी ऐसी सुविधा के लिए सम्बन्धित उपखण्ड अधिकारी को आवेदन कर सकेंगे, और उपखण्ड अधिकारी, यदि सक्षिप्त जाँच के पश्चात उसका समाधान हो जाता है कि-

(1) यह आवश्यकता आत्यंतिक आवश्यकता है और यह जोत के केवल सुविधाजनक उपभोग के लिए नहीं है, और

(2) अन्य खातेदार की जोत में से होकर, विशिष्ट नये मार्ग के मामले में, पहुँचने के वैकल्पिक साधन का अभाव सिद्ध किया गया है-

तो आदेश द्वारा, आवेदक को, अभिधारी को, जो उस भूमि को धारित करता, द्वारा सीमांकित या दर्शित लाईन के साथ-साथ भूमि की सतह से कम से कम 3 फिट नीचे पाइप लाईन बिछाने के लिए या ऐसे ट्रैक पर, जो उस अभिधारी द्वारा जो उस भूमि को धारित करता है, दर्शाया जाये, भूमि में से होकर, और यदि ऐसे ट्रैक दर्शित नहीं किया जाये तो **लघुत्तम या निकटतम रूट** से एक नया मार्ग जो 30 फिट से अनाधिक तक विस्तारित या चौड़ा करने के लिए, उस अभिधारी को, जो उस भूमि को धारित करता है, जिसमें से होकर पाइप लाईन बिछाने या एक नया मार्ग बनाने या विद्यमार्ग को चौड़ा करने का मार्ग मंजूर किया जाये, ऐसे प्रतिकर के संदाय पर जो विहित रीति से उपखण्ड अधिकारी द्वारा अवधारित किया जाये, अनुज्ञात कर सकेगा।

(1) जहाँ-उपधारा (1) के अधीन नया मार्ग बनाने या किसी विद्यमान मार्ग को विस्तारित करने या चौड़ा करने का मार्ग मंजूर किया जाये वहाँ ऐसे मार्ग को समाविष्ट करने वाली उस भूमि के संबंध में अभिधृति निर्वापित की हुई समझी जायेगी और वह भूमि राजस्व अभिलेखों में "रास्ता" के रूप में अभिलिखित की जायेगी।

(2) वे व्यक्ति, जिनको उपधारा (1) में निर्दिष्ट सुविधाओं में से किसी भी सुविधा के उपभोग के लिए अनुज्ञात किया गया है, उक्त सुविधा के आधार पर उस जोत में, जिसमें से होकर ऐसी सुविधा मंजूर की जाये, कोई भी अन्य अधिकार अर्जित नहीं करेंगे।

5. इसी प्रकार राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-'क' के प्रावधानों की क्रियान्विति हेतु बनाये गये राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम 1955 के नियम 68 लगायत 70 का उद्धरण करना यहां प्रासंगिक प्रतीत होता है जो इस प्रकार है-

68. Application under Sec. 251-A. - An application for grant of permission under sub-sec. (1) of 251-A of the Act shall be in Form 1.

69. Enquiry and disposal of application. - On receipt of an application in Form I, the Sub-Divisional Officer shall either inspect the site himself or get it inspected by an officer not below the rank of the Inspector Land Records and invite objections from the affected persons. The Sub-Divisional Officer after affording an opportunity of being heard to the parties and making such further enquiry, as he thinks necessary, if satisfied that-

(i) the necessity is absolute necessity and it is not for mere convenient enjoyment of holding; and

(ii) particularly in case of a new way through another khatedar's holding, that absence of alternative means of access is proved, may allow the application. The application shall be decided by the Sub-Divisional Officer within 90 days from the date of application.

70. Determination of compensation. - (1) The amount of compensation payable under sub-sec. (1) of Sec. 251-A of the Act, shall be determined in the following manner:-

(i) if the parties mutually agree on the amount of compensation, the Sub-Divisional Officer, shall determine the amount of compensation as per the mutual agreement.

(ii) if the parties do not agree mutually on the amount of compensation, the Sub-Divisional Officer shall determine the amount of compensation for the land equivalent to-

(a) two times of the rates recommended by the District Level Committee constituted under clause (b) of sub-rule (D) of Rule 2 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004 or the rates determined by the State Government under sub-rule (2) of Rule 58 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004, in the matter of a new way or enlargement or widening of an existing way; and

(b) 10% of the rates recommended by the District Level Committee; constituted under clause (b) of sub-rule (1) of Rule 2 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004 or the rates determined by the State Government under sub-rule (2) of Rule 58 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004, in the matter of laying underground pipeline.

(2) In addition to the value of land determined under clause (a) or (b) of sub-rule j (1), if any loss or damages caused due to removal of standing trees, crops or structure, the amount of actual loss or damages shall also be determined.

6. उक्त राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-क एवं राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम 1955, के नियम 68 लगायत 70 के उद्धरण से स्पष्ट है कि धारा 251-क के अन्तर्गत कोई खातेदार अपनी आराजी तक कृषि कार्य बाबत आमद-रफत हेतु अन्य खातेदारों की आराजी में से होकर रास्ता रिकार्डेड अंकित करवा सकता है। इस हेतु

उक्त राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-क निम्न पूर्वशर्तों को आरोपित करती है जो इस प्रकार है-

1. खातेदार की रास्ते बाबत अन्य रिकॉर्डेड रास्ते के विकल्प की अनुपस्थिति।
 2. खातेदार की रास्ते बाबत आत्यान्तिक आवश्यकता।
 3. लघुत्तम दूरी का नवीन मार्ग के विकल्प का प्रस्ताव।
7. उक्त प्रकरण में प्रार्थी ने अपने प्रार्थना पत्र के पैरा संख्या-1 में रास्ते की आत्यान्तिक आवश्यकता का जिक्र किया है तथा अन्य वैकल्पिक रास्ते की अनुपलब्धता का जिक्र किया गया है। साथ ही तहसीलदार थानागाजी की शामिल मिसल रिपोर्ट दिनांक 27.03.2023 के बिन्दु-01 व 02 से इस तथ्य की पूर्णरूप से पुष्टि होती है। अतः शर्त संख्या 1 व 2 की पूर्णरूप से पुष्टि होती है। अतः प्रार्थी का नवीन रास्ते बाबत अनुतोष स्वीकार किया जाना उचित प्रतीत होता है। राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क के तहत आरोपित शर्त संख्या 1 व 2 की पूर्णरूप से पुष्टि होने से प्रार्थी की आराजी तक नवीन रास्ता रिकॉर्ड में दर्ज करने का अनुतोष स्वीकार किया जाता है। अब इसके पश्चात् इस बिन्दु पर विश्लेषण किया जाना है कि उक्त नवीन रास्ता किस आराजी में से होकर किस रूट से होकर कितनी चौड़ाई का रास्ता का अनुतोष स्वीकार किया जाना है।
8. इस प्रकार राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क के तहत आरोपित तीसरी शर्त के अनुसार नवीन रास्ते हेतु लघुत्तम मार्ग का विकल्प पर विचार किया जाना आवश्यक है। प्रकरण में प्रार्थी द्वारा अप्रार्थी की खातेदारी आराजी हाल खसरा संख्या 317 रकबा 2.43 है0 किस्म चाही द्वितीय वाके ग्राम कालेड में से होकर मुख्य सड़क से पश्चिम से पूर्व की ओर मुताबिक नजरी नक्शा प्रार्थी की आराजी में आने जाने हेतु मौके पर चालू रास्ता करीब 12 फुट चौड़ाई एवं पूर्व से पश्चिम लम्बाई से प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक लम्बाई का नवीन रास्ते का प्रस्ताव का निवेदन किया है। अप्रार्थीगण द्वारा अवगत करवाया गया है कि प्रार्थी द्वारा हाल खसरा संख्या 317 रकबा 2.43 है0 किस्म चाही द्वितीय वाके ग्राम कालेड में से होकर मुख्य सड़क से पश्चिम से पूर्व की ओर मुताबिक नजरी नक्शा प्रार्थी की आराजी में आने जाने हेतु मौके पर चालू रास्ते से अप्रार्थी भी आमद रफत करते हैं। अतः उक्त रास्ते को रिकॉर्ड में दर्ज किये जाने से अप्रार्थी को कोई आपत्ति नहीं है। साथ ही प्रकरण में तहसीलदार थानागाजी की शामिल मिसल रिपोर्ट दिनांक 27.03.2023 द्वारा लघुत्तम मार्ग बाबत प्रार्थी द्वारा प्रस्तावित विकल्प का समर्थन करते हुये प्रस्तावित किया गया है। अतः राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क के तहत आरोपित तीसरी शर्त के अनुसार नवीन रास्ते हेतु लघुत्तम मार्ग का विकल्प मुताबिक तहसीलदार थानागाजी की शामिल मिसल रिपोर्ट दिनांक 27.03.2023 द्वारा प्रस्तावित मार्ग का विकल्प को स्वीकार किया जाना उचित प्रतीत होता है।
9. उक्त प्रकरण में राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क के विधिक प्रावधानों के सन्दर्भ में प्रार्थीगण हेतु रास्ते की अत्यान्तिक आवश्यकता एवं वैकल्पिक रिकॉर्डेड रास्ते हेतु अनुपलब्धता एवं तहसीलदार थानागाजी के पत्र क्रमांक/भू0अ0/2023/498 दिनांक 27.03.2023 के द्वारा प्रेषित की गई मौका जाँच रिपोर्ट मय नजरी नक्शा के आधार पर प्रार्थी का प्रार्थना पत्र राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-क काबिल-ऐ स्वीकार योग्य है। अतः तहसीलदार थानागाजी की दिनांक 27.03.2023 की मौका जाँच रिपोर्ट मय नजरी नक्शा के अनुसार प्रस्ताव लघुत्तम मार्ग बतौर 12 फुट चौड़ा गैर मुमकिन रास्ता नियमानुसार भूमि एवं निर्माण, अगर कोई हो तो, की क्षतिपूर्ति राशि भुगतान पश्चात् राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज किया जाना न्यायसंगत प्रतीत होता है। अतः

आदेश है कि

प्रार्थना पत्र राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-क के अन्तर्गत प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र

प्रार्थीगण हेतु रास्ते की अत्यान्तिक आवश्यकता एवं वैकल्पिक रिकार्डेड रास्ते हेतु अनुपलब्धता एवं तहसीलदार थानागाजी द्वारा प्रेषित की गई मौका जाँच रिपोर्ट मय नजरी नक्शा के आधार पर स्वीकार किया जाता है एवं तहसीलदार थानागाजी को आदेश दिये जाते है कि दिनांक 27.03.2023 की मौका जाँच रिपोर्ट में अंकित प्रस्ताव में इंगित लाल रंग से प्रदर्शित 12 फुट चौड़ाई के हाल आराजी खसरा संख्या 317/2.43 है0 वाके ग्राम कालेड में से रास्ते में आयी भूमि की एवज में राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम 1955 के नियम-70 के अनुसार क्षतिपूर्ति राशि आंकलित कर नियमानुसार क्षतिपूर्ति राशि वितरित करते हुये नियमानुसार रास्ते को खाता संख्या-1 सिवायचक में सार्वजनिक उपयोग हेतु किस्म गैर मुमकिन रास्ता दर्ज कर अंकन किया जावें। दिनांक 27.03.2023 की मौका जाँच रिपोर्ट व नजरी नक्शा निर्णय का अनन्य भाग रहेगा।

निर्णय की पालना हेतु एक प्रति तहसीलदार थानागाजी को भिजवायी जावें। यह आदेश आज दिनांक 15.05.2023 को लिखवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया एवं अधोहस्ताक्षकर्ता की मुहर व हस्ताक्षर से जारी किया गया।

(केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)
उपखण्ड अधिकारी
थानागाजी-अलवर

सत्यमेव जयते